S-346

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-601

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन-01

MA Jyotish (MAJY)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. सूर्यादि नवग्रहों के स्वरूप को बताएं।

2. नक्षत्रों के स्वामी व संज्ञायें लिखिए।

3. राशियों की दृष्टि को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

4. ग्रहों के बल कितने प्रकार के होते हैं, साथ ही स्थान बल को विस्तृत रूप से लिखिए।

5. फल कथन हेतु षड्वर्ग, सप्त वर्ग तथा दशवर्ग की क्या उपादेयता है?

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहों की अवस्था से क्या तात्पर्य है?

2. सूर्य की विभिन्न अवस्थाओं का फल लिखिए।

3. नक्षत्रों के नाम व स्वामियों को बताएं।

4. ग्रहों के उच्च, नीच एवं मूल त्रिकोण लिखिए।

5. काल पुरुष से क्या तात्पर्य है? काल पुरुष के शरीर में राशियों का स्थान बताएं।

6. मेष-वृष-मिथुन राशियों के स्वरूप को लिखिए।

7. बुध-गुरु-शुक्र से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

8. पञ्चम-नवम-दशम भावों से विचारणीय विषयों को बताएं।